सामान्य ज्ञान दर्पण

अगस्त 2018

वर्ष 31 प्रथम अंक

इस अंक में...

7 अपने भीतर के स्वयं को पहचानिए

विशेष स्तम्भ

8 समसामयिक सामान्य ज्ञान

15 आर्थिक परिदृश्य

20 राष्ट्रीय परिदृश्य

25 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य

30 क्रीड़ा जगत्

33 चेन्नई सुपरकिंग्स तीसरी बार आईपीएल की विजेता

35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य

36 सारभूत तत्व कोष

40 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

43 अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

लेख

45 पर्यावरण लेख—पारिस्थितिकी अनुक्रम

46 बैंकिंग लेख—सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण नहीं है समस्या का समाधान

49 कॅरियर लेख—रेलवे सुरक्षा बल में पुरुष/महिलाओं के लिए सुनहरा अवसर, 2018

52 रेलवे-सम्बन्धी लेख—भारतीय रेल में कोच, वैगन, इंजन, यात्री रेलगाड़ी और मालगाड़ी की कोडिंग और नम्बरिंग प्रणाली की रोचक जानकारी

55 सामान्य जानकारी—समसामयिक घटनाक्रम

हल प्रश्न-पत्र

61 आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप 'डी' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

66 आगामी आर.आर.बी. सहायक लोको पायलट/टेक्निशियन स्टेज-I कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

70 भारतीय रेलवे सुरक्षा बल एवं रेलवे सुरक्षा विशेष बल में कॉंस्टेबलों की भर्ती हेतु हल प्रश्न

78 फिटर शॉप थ्योरी—आगामी आर.आर.बी.परीक्षा के लिए विशेष हल प्रश्न

81 मध्य प्रदेश पटवारी भर्ती परीक्षा, 2017

86 मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित जेल विभाग, कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं राज्य वन विकास निगम लि. भोपाल संयुक्त भर्ती परीक्षा, 2017

91 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (चरण-I) परीक्षा, 2017

98 उत्तराखण्ड वनरक्षक सीधी भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

102 उत्तराखण्ड वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

विविध/सामान्य

104 सामान्य जानकारी— (i) पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी पर आधारित प्रमुख सम्मेलन (वर्ष 2017-18)

107 (ii) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया 2018 में प्रोबेशनरी ऑफीसर्स कैसे बनें ?

114 **फीफा के 21वें विश्व कप का शुभारम्भ**

115 ज्ञान वृद्धि कीजिए

116 रोजगार समाचार

119 वार्षिकी : अगस्त 2017–जुलाई 2018 अंक तक

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **–सम्पादक**

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

अपने भीतर के स्वयं को पहचानिए

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

हम सभी मनुष्य जब तक अपने स्वयं के प्रति ईमानदार नहीं होते जब तक हम अपने भीतर में अपनी ही अवस्थाओं में सजग और सावधान नहीं होते तब तक हम सभी मनुष्य जिन उद्देश्यों को लेकर इस जिन्दगी में आए हैं. वे उद्देश्य पूरे नहीं कर पाते फिर चाहे हम दोष कर्मों को दें, अन्तर्मन को दें, किस्मत को दें, नियति को दें, प्रारब्ध को दें, आसपास के माहौल लोगों के व्यवहार किसी को भी दें, लेकिन हकीकत यह है कि हममें से कोई भी व्यक्ति अपने भीतर इतनी सम्भाव्यता लेकर आता है. इतनी क्षमताएं लेकर आता है कि वह अपने भीतर के विकल्पों को जी सके. अपने व्यक्तित्व को एक सुन्दर आकार दे सके और अपनी योग्यताओं को विराट बना सके. हममें से हर व्यक्ति अपनी योग्यताओं को विराट बनाने के लिए ही पैदा हुआ है. अपनी क्षमताओं से सीमा मुक्त हो जाने के लिए पैदा हुआ है, लेकिन हो नहीं पाते, क्योंकि सफलता के कुछ आधारभूत नियम हैं. उसमें पहली जो विशेषता है, वह यह है ईमानदारी हो, यानी आपको अपनी भावनाओं के प्रति और अपने विचारों के प्रति अपनी स्थितियों के प्रति सजग होकर के उनको वे जैसी है वैसे स्वीकारना. सामान्यतया हम लोग अन्दर कुछ होते हैं और बाहर कुछ होते हैं. इसी का नाम बेईमानी है. बेईमानी का मतलब केवल शासन प्रशासन के नियमों को तोड़ना ही बेईमानी नहीं है या कर न देना बेईमानी नहीं है. बेईमानी का मतलब यह है कि अन्दर कुछ बाहर कुछ अब यहाँ ईमान खत्म हो जाता है. यहाँ हमारी अपनी आत्मा की, जो नूरानी अवस्था है वह प्रकट नहीं हो सकेगी. मतलब हमारे भीतर का नूर खत्म होने लग जाएगा. अगर हम ईमानदार नहीं हैं इसलिए हर व्यक्ति को अपने अपने प्रति ईमानदार होना होगा, खुद को सोचना, खुद को जीना, खुद को समझना बेहद आवश्यक है. चाहे आप दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे हों और चाहे आप किसी भी तरह के क्षेत्र में कार्य क्यों न कर रहे हों? अगर आप ईमानदार नहीं हो अपने आपकी नहीं सुनते हो और अपने आपको किसी भी तरह से एक कल्पित सोच देकर उसी में अपना लाभ अथवा सन्तुष्टि अधिकतम करने की कोशिश करते हो तो आप परेशान हो जाते हो. तनाव का मतलब क्या होता है ?

●●●